

भ्रमण कर देश की परिस्थितियों से परिचित होना चाहिए।

18. हमारी हिन्दी सजीव भाषा है। इसी कारण, इसने अरबी, फारसी आदि के सम्पर्क में आकर इनके तो शब्द ग्रहण किये ही हैं, अब अंगरेजी के भी शब्द ग्रहण करती जा रही है। इसे दोष नहीं, गुण ही समझना चाहिए, क्योंकि अपनी इस ग्रहणशक्ति से हिन्दी अपनी वृद्धि कर रही है, हास नहीं। ज्यों-ज्यों इसका प्रचार बढ़ेगा, त्यों-त्यों इसमें नये शब्दों का आगमन होता जायेगा। क्या भाषा की विशुद्धता के किसी भी पक्षपाती में यह शक्ति है कि वह विभिन्न जातियों के पारस्परिक संबंध को न होने दे या भाषाओं की सम्मिश्रण क्रिया में रुकावट पैदा कर दे? यह कभी संभव नहीं। हमें तो केवल इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि इस सम्मिश्रण के कारण हमारी भाषा अपने स्वरूप को तो नहीं नष्ट कर रही—कहीं अन्य भाषाओं के बेमेल शब्दों के मिश्रण से अपना रूप तो विकृत नहीं कर रही। अभिप्राय यह कि दूसरी भाषाओं के शब्द, मुहावरे आदि ग्रहण करने पर भी हिन्दी, हिन्दी ही बनी रही है या नहीं, बिगड़कर कहीं वह कुछ और तो नहीं होती जा रही है?

प्रश्न— (क) प्रस्तुत गद्यांश का उचित शीर्षक दें।

(ख) सजीव भाषा से क्या तात्पर्य है?

(ग) हिन्दी में नये शब्दों का आगमन क्यों उचित है?

(घ) हिन्दी में नये शब्दों को अपनाते समय किस बात का ध्यान रखना चाहिए?

(ङ) भाषा की विशुद्धता क्या है?

उत्तर— (क) हिन्दी : एक सजीव भाषा।

(ख) सजीव भाषा वह है जो दूसरी बोली जाने वाली भाषा से शब्द-ग्रहण में उदारता बरतती है। इससे उस भाषा का विकास होता है।

(ग) हिन्दी एक सजीव एवं जीवन्त भाषा है क्योंकि इसने अरबी, फारसी के शब्द ग्रहण किए हैं। अब यह अंग्रेजी के भी शब्द ग्रहण कर रही है।

(घ) हिन्दी में नये शब्दों को अपनाते समय यह ध्यान रखना चाहिए कि इस सम्मिश्रण के कारण हमारी भाषा अपने स्वरूप को तो नहीं नष्ट कर रही, कहीं अन्य भाषाओं के बेमेल शब्दों के मिश्रण से अपना रूप तो विकृत नहीं कर रही।

(ङ) भाषा की विशुद्धता के आग्रही दूसरी भाषाओं के शब्द ग्रहण से परहेज करते हैं। पर यह सम्भव नहीं है। विभिन्न जातियों का पारस्परिक संबंध होगा ही, उनकी भाषा के शब्दों का भी प्रवेश होगा।

हिन्दी भाषा की भावना का विकास शिक्षा के

Hindi Subjective

4. → $\left(\frac{31}{2}\right)$ → अपने मित्र के पास एक पत्र लिखिए, जिसमें ग्रीष्मावकाश में कहीं घूमने जाने का वर्णन हो।

5. → $\left(\frac{37}{3}\right)$ → जाति भारतीय समाज में श्रम विभाजन का स्वाभाविक रूप क्यों नहीं कही जा सकती?

→ (ख) → $\left(\frac{38}{7}\right)$ → सेन-दम्पति खोखा में कौसी संभावनाएँ देखते थे?

→ (घ) → $\left(\frac{65}{1}\right)$ → रंगप्पा कौन था और वह मंगम्मा से क्या चाहता था?

→ (ङ) → $\left(\frac{68}{8}\right)$ → पाप्पाति कौन थी और वह शहर क्यों आयी गयी थी?

→ (च) → $\left(\frac{56}{2}\right)$ → कवि ने डफाली कितने कहा है और क्यों कहा है?

→ (छ) → $\left(\frac{61}{4}\right)$ → भारतमाता अपने घर में प्रवासिनी क्यों बनी हुई हैं?

6. → (ख) → $\left(\frac{59}{18}\right)$ → व्याख्या करें:-

सदियों की ठंडी-बुझी राख सुगबुगा उठी,
मिट्टी सोने का ताज पहन डूठलाती है।

3. → (ख) → $\left(\frac{29}{32}\right)$ - समाचार-पत्र

→ (ग) → $\left(\frac{28}{29}\right)$ → मेरे प्रिय कवि